अध्याय
02

मेरे संग की औरतें

मृदुला गर्ग

© JCERT not to be republished

लेखिका - परिचय :-

लेखिका परिचय

- मृदुला गर्ग
- जन्म- सन् 1938 ईस्वी
  जन्म-स्थान - कोलकाता
- शिक्षा- दिल्ली विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र विषय से एम.ए.।
- सन् 1974 ईस्वी से दिल्ली में रहकर स्वतंत्र लेखन।
- प्रमुख- रचनाएँ:-
  उपन्यास- उसके हिस्से की धूप, अनित्य, चित्तकोबरा, कठगुलाब।
  कहानी-संग्रह- संगति-विसंगति (दो खंडों में संपूर्ण कहानियाँ)
  निबंध-संग्रह- रंग-ढंग, चुकते नहीं सवाल।

© JCERT not to be republished

पाठ - परिचय :-

पाठ-परिचय

मेरे संग की औरतें

यह पाठ मृदुला गर्ग द्वारा रचित एक संस्मरण। है। इस संस्मरण में लेखिका ने अपने परिवार की औरतों के व्यक्तित्व और स्वभाव पर प्रकाश डाला है ।

लेखिका की नानी अनपढ़, परंपरावादी और पर्दे में रहने वाली औरत थी तथा उसके नाना कैंब्रिज विश्वविद्यालय से बैरिस्ट्री पास कर विदेशी शानो-शौकत का जीवन बिताता था, लेकिन नानी पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। नानी देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत थी।

लेखिका की नानी अपनी पुत्री यानी कि लेखिका की माँ का विवाह किसी देशभक्त से करवाना चाहती है। प्यारे लाल शर्मा की मदद से पढ़े-लिखे, होनहर और राष्ट्रीय आंदोलन में भाग लेने वाले लड़के से माँ की शादी हो जाती है।

माँ घर-परिवार और बच्चों के खान-पान पर ध्यान नहीं देती थी। उन्हें पुस्तक पढ़ने और संगीत सुनने का शौक था, लेकिन उनके पास दो अच्छे गुण थे- पहला वह कभी झूठ नहीं बोलती थी और दूसरा वे एक के गोपनीय बात को दूसरे पर जाहिर नहीं करती थी।

लेखिका की परदादी की इच्छा थी कि उनकी पतोहू का पहला बच्चा लड़की हो। ईश्वर ने उनके घर में पूरे पाँच लड़कियाँ भेज दी। पहली लड़की मंजुल भगत, दूसरे नंबर पर स्वयं लेखिका मृदुला गर्ग, तीसरी लड़की गौरी, चौथी रेणु और पाँचवी लड़की अचला। हम पाँच बहनों का जन्म इस घर में होता हैं। छोटा भाई राजीव है।

© JCERT not to be republished

पाठ-परिचय

सभी बहन और भाई पढ़े-लिखे थे। पहली बहन मंजुल भगत एक लेखिका थी। तीसरी बहन गौरी को छोड़ चारों बहने कुछ न कुछ लिखती थी। चित्रा को पढ़ने में कम और पढ़ाने में अधिक मन लगता था। सबसे छोटी बहन अचला पत्रकारिता और अर्थशास्त्र की छात्रा थी।

चौथी बहन रेणु एक जिद्दी किस्म की लड़की थी। एक बार जब दिनभर बारिश होने से सड़कों में पानी भर गया था। स्कूल बस नहीं आई। घर वालों ने समझाया कि आज स्कूल बंद होगा, लेकिन रेणु घर वालों की बात न मानकर दो मील की दूरी पैदल चलकर स्कूल जाती है। स्कूल पहुँचने पर पता चलता है कि स्कूल बंद है और वह पैदल ही घर वापस लौट आती है।

लेखिका का मानना है कि अपनी धुन में मंजिल की ओर चलते जाने में तथा अकेलेपन का मजा ही कुछ और है।

© JCERT not to be republished

पाठ का सारांश :-

'मेरे संग की औरतें' पाठ में लेखिका मृदुला गर्ग अपने परिवार की औरतों के व्यक्तित्व और स्वभाव पर बड़े ही खूबसूरती के साथ प्रकाश डाली हैं।

सबसे पहले वह अपनी नानी के व्यक्तित्व के बारे में प्रकाश डालते हुए कहती हैं कि- हालाँकि मैंने अपनी नानी को कभी नहीं देखा, किंतु उनका व्यक्तित्व मुझे बहुत प्रभावित किया है। नानी एक अनपढ़, परंपरावादी और पर्दे में रहने वाली औरत थी, किंतु उनके अंदर देशभक्ति की भावना सजग थी। नाना शादी के बाद कैंब्रिज विश्वविद्यालय से बारिस्ट्री की उपाधि प्राप्त कर विदेशी शानो-शौकत का जीवन बिताने लगते हैं, किंतु इसका प्रभाव नानी पर नहीं पड़ता है। नानी अपनी पुत्री यानी कि मेरी माँ का विवाह एक देशभक्त लड़के के साथ करवाना चाहती हैं। इसकी जिम्मेदारी अपने पति के ही दोस्त प्यारेलाल शर्मा को सौंपती है। माँ की शादी एक पढ़े-लिखे होनहार और राष्ट्रीय आंदोलन में भाग लेने वाले लड़के के साथ हो जाती है, जो बहुत ही गरीब लड़का था।

अपनी माँ के बारे में लेखिका बताती है कि मेरी माँ कभी भी एक भारतीय माँ जैसी माँ नहीं बन पाई। अपने घर परिवार तथा बच्चों की खानपान पर जरा भी ध्यान नहीं देती थी। पुस्तक पढ़ने और संगीत सुनने में उनकी अधिक रुचि थी। माँ के पास दो गुण बहुत ही

JEPC Reference Book for Free Distribution : 2022-23

अच्छे थे- पहला, वह कभी झूठ नहीं बोलती थी और दूसरा, वे एक की गोपनीय बात को दूसरे पर जाहिर नहीं होने देती थी।

परदादी की इच्छा थी की उनकी पतोहू का पहला बच्चा लड़की हो। इसके लिए वह ईश्वर से मन्नते माँगते रहती थी। ईश्वर की कृपा से उनके घर में पूरे पाँच कन्याओं का जन्म हुआ। पहली बच्ची का नाम मंजुल भगत जो एक लेखिका के रूप में उभरी। दूसरी स्वयं मैं यानी कि मृदुला गर्ग, तीसरी गौरी जिसके घर का नाम चित्रा, चौथे नंबर पर रेणु और पांचवी लड़की अचला थी। हम पाँच बहनों का एक छोटा भाई राजीव था।

पहली बहन मंजुल भगत के घर का नाम रानी था। शादी के बाद मंजुल भगत लिखने लगती है और लेखिका बन जाती है। दूसरी बहन स्वयं मैं, यानी मृदुला गर्ग घर का नाम उमा है। मैंने भी शादी के बाद ही लिखना शुरू किया। तीसरी बहन गौरी, बाहर का नाम चित्रा लेखन कार्य से नहीं जुड़ी थी। उनका मानना है कि घर में कोई पढ़ने वाला भी तो होना चाहिए। चित्रा को पढ़ने से ज्यादा पढ़ाने में मन लगता था। छोटी बहन अचला अर्थशास्त्र और पत्रकारिता की छात्रा थी।

रेणु एक जिद्दी लड़की थी। एक बार की घटना बताते हुए लेखिका कहती है कि एक दिन बहुत बारिश हुई थी। सड़कों पर पानी भर गया था, इसलिए स्कूल बस नहीं आया। घरवालों वालों ने रेणु को समझाया कि आज स्कूल बंद होगा, इसलिए आज स्कूल मत जाओ लेकिन रेणु अपने परिवार वालों की बात न मानकर वह अपने घर से दो मील की दूरी पैदल चलकर स्कूल पहुँचती है। वहाँ पहुँचने पर पता चलता है कि आज स्कूल बंद है। वापस जब घर लौटती है तो घर वाले कहते हैं- पहले ही आपको बताया गया था कि आज स्कूल बंद है लेकिन तुमने एक न सुनी। इसके जवाब में रेणु कहती है कि स्कूल बंद था तो वापस आ गई मैं, इसमें आपका कहना कहाँ से आ गया। रेणु के इस बात से मृदुला गर्ग बहुत प्रभावित हुई। रेणु के मन में कैसा रोमांच का अनुभव हुआ होगा। लेखिका सोंचने लगी कि अपने धुन में मंजिल की ओर चलते जाने में तथा अकेलेपन का मजा ही कुछ और है।

शब्दार्थ:- परदानशीं = पर्दे में रहने वाली स्त्री। फ़िक्र = चिंता। मुँहजोर = बहुत बोलने वाली। लिहाज़ = मर्यादा। हैरतअंगेज = आश्चर्यजनक। फरमाबरदार = आज्ञाकारी। इम्तिहान = परीक्षा। पुश्तैनी = पैतृक या पूर्वजों द्वारा अर्जित। मुस्तैद = तैयार , चुस्त, तत्पर। बखूबी = अच्छी तरह से। निजत्व = अपनापन। फ़ज़ल = कृपा या दया। अपरिग्रह = संग्रह न करना, किसी से कुछ ग्रहण न करना। वाजिब = सही। बदस्तूर = नियम से। मन्नत = मनोकामना। भलामानस = अच्छा आदमी। दरख्वास्त = निवेदन।

© JCERT not to be republished

प्रश्नोत्तर :-

1. लेखिका ने अपनी नानी को कभी देखा भी नहीं फिर भी उनके व्यक्तित्व से वे क्यों प्रभावित थी?

उत्तर- लेखिका मृदुला गर्ग की नानी की मृत्यु उनकी माँ की शादी से पहले ही हो गई थी। वह अपनी नानी को देख भी नहीं पाई थी। लेखिका अपनी नानी के व्यक्तित्व के बारे में अपनी माँ से सुनी थी। उनकी नानी अनपढ़, परंपरावादी और परदे में रहने वाली औरत थी, किंतु उनके मन में देशभक्ति की भावना कूट-कूट कर भरी हुई थी। देशभक्तों को वह आदर की भावना से देखती थी। लेखिका अपनी नानी की इन्हीं चारित्रिक गुणों से प्रभावित थीं।

2. लेखिका की नानी की आजादी के आंदोलन में किस प्रकार की भागीदारी रही ?

उत्तर- लेखिका की नानी भले ही अनपढ़, परंपरावादी और परदे में रहने वाली औरत थी, किंतु उनके मन में देशभक्तों के प्रति विशेष आदर था। इसीलिए वह अपनी पुत्री का विवाह अपने पति जैसा पश्चिमी विचारधारा वाले लड़के से न करा कर आजादी की लड़ाई में लड़ने वाले लड़के से कराना चाहती थीं। वह अपनी पुत्री के विवाह की जिम्मेदारी स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने वाले अपने पति के दोस्त प्यारे लाल शर्मा को सौंपती है। नानी की मृत्यु के बाद प्यारे लाल शर्मा एक पढ़े-लिखे, होनहार और आजादी की लड़ाई में भाग लेने वाले लड़के से मेरी माँ की शादी करा देते हैं। इस तरह से नानी प्रत्यक्ष रूप से आजादी के आंदोलन में भाग तो नहीं ली, किंतु अप्रत्यक्ष रूप से आजादी के आंदोलन में अपनी भागीदारी निभाई थी।

लेखिका की माँ परंपरा का निर्वाह न करते हुए भी सब के दिलों पर राज करती थी। इस कथन के आलोक में-

(क) लेखिका की माँ के व्यक्तित्व की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- लेखिका की माँ उच्च डिग्री प्राप्त एक बैरिस्टर की बेटी थी। वह अपनी माँ की जैसी ही स्वतंत्र व्यक्तित्व की स्वामिनी थी। उन्होंने कभी भी पत्नी, बहू और एक अच्छी माँ होने के कर्तव्यों का निर्वाह नहीं की थी। वह अपने परिवार और बच्चों को खिलाने-पिलाने के प्रति कभी भी ध्यान नहीं दी। इसके बावजूद लेखिका की माँ को परिवार वाले बहुत प्यार करते थे। इसके दो कारण थे-

1. पहला, वह कभी झूठ नहीं बोलती थी।

2. दूसरा, वह एक की गोपनीय बात को दूसरों पर ज़ाहिर नहीं होने देती थी।

इसीलिए वह अपने परिवार के दिलों पर राज करती थी।

(ख) लेखिका की दादी के घर के माहौल का शब्द-चित्र अंकित कीजिए।

उत्तर- परिवार की दृष्टि से लेखिका की दादी का घर बहुत बड़ा था। लेखिका की परदादी,

© JCERT not to be republished

दादी, माता-पिता, एक भाई और पाँच बहनों से घर भरा-पूरा था।

दादी के घर का माहौल स्वतंत्रता की भावना से परिपूर्ण था। वे अपनी बहू-बेटियों के साथ कभी भी लड़ाई-झगड़ा नहीं करती थी और न ही उन्हें ताना या उलाहना देती थी। उस घर में सबको समान अधिकार प्राप्त था। किसी से कोई सवाल-जवाब नहीं करते थे और न ही आपस में कभी लड़ते-झगड़ते थे। परदादी अपनी पतोहू का पहला बच्चा लड़की के रूप में होने की मन्नत मांगती है। इस मन्नत से उस घर के तथा आसपास के लोग सभी हैरान रहते हैं।

इस तरह लेखिका की दादी के घर का माहौल उस समय के माहौल से बिल्कुल अलग था।

4. आप अपनी कल्पना से लिखिए कि परदादी ने पतोहू के लिए पहले बच्चे के रूप में लड़की पैदा होने की मन्नत क्यों माँगी ?

उत्तर- लेखिका की परदादी का स्वभाव उस जमाने के लोगों से बिल्कुल भिन्न था। वह अपने स्वभाव की स्वामिनी थी। वह दूसरे लोगों की राह पर चलना पसंद नहीं करती थी। शायद उनकी परदादी लड़कियों से अधिक प्यार करती थी, इसीलिए वे अपने पतोहू का पहला बच्चा लड़की होने की मन्नत माँगती है। इसलिए पतोहू द्वारा पाँच लड़कियों को जन्म देने के बावजूद वे अपनी पतोहू को कभी ताना नहीं मारती थी।

5. डराने-धमकाने, उपदेश देने या दबाव डालने की जगह सहजता से किसी को भी सही राह पर लाया जा सकता है- पाठ के आधार पर तर्क सहित उत्तर दीजिए।

उत्तर- डराने-धमकाने, उपदेश देने या दबाव डालने की जगह सहजता से किसी को भी राह पर लाया जा सकता है।

लेखिका के घर में एक रात एक चोर घुस आया था। वह चोर बदकिस्मती से दादी के कमरे में ही घुसा। दादी माँ उस चोर को डाँटने-धमकाने और वहाँ भगाने के बजाए उनसे एक लोटा पानी माँगती है। दादी माँ की जिद्द के आगे वह चोर हार जाता है और वह उन्हें कुएँ से एक लोटा पानी लाकर देता है । दादी माँ चोर द्वारा लाए गए पानी को पीने के बाद उनसे कहती है कि अब आज से तू मेरा बेटा बन गया है और मैं तुम्हारी माँ। अब तुम्हारी मर्ज़ी है कि तुम इस घर में चोरी करो या चोरी नहीं करो। दादी माँ का चोर के साथ इस तरह के व्यवहार से वह चोर बिना चोरी किए ही वहाँ से चल देता है। वह हमेशा के लिए चोरी करना छोड़ कर खेती-बारी करना शुरू कर देता है।

उपर्युक्त प्रसंग से यह पुष्ट हो जाती है कि डराने-धमकाने, उपदेश देने या दबाव डालने की जगह प्यार से किसी को भी सहज रूप से राह पर लाया जा सकता है।

6. 'शिक्षा बच्चों का जन्मसिद्ध अधिकार है'- इस दिशा में लेखिका के प्रयासों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर- लेखिका मृदुला गर्ग बच्चों की शिक्षा के प्रति सजग थी। लेखिका के अनुसार देश के हर बच्चे को शिक्षा पाने का जन्मसिद्ध आधिकार है। इसी उद्देश्य से उन्होंने कर्नाटक

© JCERT not to be republished

के एक छोटे से कस्बे बागलकोट में बच्चों की शिक्षा के लिए, जहाँ स्कूल का अभाव था, कैथोलिक बिशप से स्कूल खोलने का निवेदन किया। वहाँ क्रिश्चयन बच्चों की संख्या कम थी, इसलिए बिशप ने लेखिका के दरख्वास्त को नामंजूर कर कर दिया। इससे लेखिका हार नहीं मानती है। उन्होंने अपने प्रयासों से तीन भाषाएँ- हिंदी, अंग्रेजी और कन्नड़ पढ़ाने वाला स्कूल स्वयं आरंभ किया।

7. पाठ के आधार पर लिखिए कि जीवन में कैसे इंसानों को अधिक श्रद्धा-भाव से देखा जाता है ?

उत्तर- वैसे इंसान जो देश के हित के लिए सदैव तत्पर रहते हैं, जो कभी झूठ नहीं बोलते हैं, किसी के गोपनीय बात को दूसरों पर जाहिर नहीं करते हैं और जो देश की सुरक्षा के लिए शहीद हो जाते हैं तथा जो सभी इंसानों के साथ समान व्यवहार करते हैं, ऐसे इंसानों के लिए लोग अपने हृदय में श्रद्धा-भाव रखते हैं।

8. 'सच अकेलेपन का मजा ही कुछ और है'- इस कथन के आधार पर लेखिका की बहन एवं लेखिका के व्यक्तित्व के बारे में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

उत्तर- लेखिका और लेखिका की बहन दोनों ही जिद्दी स्वभाव की थी। किसी भी अच्छे कार्य को वे दोनों अकेले ही अंजाम तक पहुँचाती हैं। इसके लिए दो घटनाएँ द्रष्टव्य है-

लेखिका कर्नाटक के बागलकोट में बच्चों की शिक्षा के लिए जब कैथोलिक बिशप से स्कूल खोलने का आग्रह करती है, तो वहाँ क्रिश्चयन बच्चों की संख्या कम होने के कारण उनके प्रस्ताव को विशप द्वारा नामंजूर कर दिया जाता है। लेखिका इससे हार नहीं मानती है और हिंदी, अंग्रेजी तथा कन्नड़ पढ़ाने वाले स्कूल का आरंभ वह स्वयं अकेले ही करती हैं।

इसी तरह एक बार बहुत बारिश हुई थी। सड़कों पर पानी भर गया था, इसलिए स्कूल बस नहीं आई। घर के परिवार वाले लेखिका की बहन को समझाते हैं कि शायद आज स्कूल बंद होगा। इसलिए आज तुम्हें स्कूल नहीं जाना है, किंतु लेखिका की बहन परिवार वालों की बात न मानकर दो मील की दूरी पैदल ही चलकर स्कूल पहुँचती है। स्कूल पहुँचने पर उन्हें पता चला कि आज स्कूल बंद है। वह उल्टे पाँव पैदल ही चलकर घर लौटती है। घरवाले उनसे कहते हैं कि हम लोगों ने तुमसे पहले ही कहा था कि आज स्कूल बंद होगा, लेकिन तुम नहीं मानी। इस पर लेखिका की बहन कहती है कि स्कूल बंद था तो मैं वापस आ गई, इसमें आपका कहना कहाँ से आ गया? तब लेखिका अनुभव करती है कि सच में अकेले चलना और अकेलेपन का मजा ही कुछ और है।

उपर्युक्त दोनों घटनाओं से पता चलता है कि दोनों बहने जिद्दी स्वभाव के व्यक्तित्व वाली थीं, जो किसी भी अच्छे कार्य को अकेले करने में आनंद का अनुभव करती थीं।

© JCERT not to be republished

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

1. लेखिका की नानी की मृत्यु कब हो गई थी?

(क) लेखिका के जन्म के बाद।

(ख) लेखिका की माँ की शादी से पहले

(ग) लेखिका की बहन की शादी से पहले

(घ) लेखिका की शादी से पहले

उत्तर-(ख) लेखिका की माँ की शादी से पहले।

2. लेखिका के नाना किस विश्वविद्यालय से डिग्री लेकर लौटे?

(क) लंदन

(ख) कैंब्रिज

(ग) ऑक्सफोर्ड

(घ) बर्कले।

उत्तर-(ख) कैंब्रिज ।

3. लेखिका की नानी अपनी बेटी के लिए कैसा वर चाहती थी?

(क) सरकारी नौकर

(ख) स्वतंत्रता सेनानी

(ग) डॉक्टर

(घ) बैरिस्टर

उत्तर- (ख) स्वतंत्रता सेनानी।

4. लेखिका की नानी ने अपने अंतिम समय में किसे बुलाने की इच्छा जाहिर की।

(क) अपने पति को

(ख) अपनी बेटी को

(ग) प्यारेलाल शर्मा को

(घ) यमराज को।

उत्तर - (ग) प्यारेलाल शर्मा को।

5. लेखिका के नाना पक्के क्या माने जाते थे?

(क) समाजवादी

(ख) ग्रामीण

(ग) साम्यवादी

(घ) साहब

उत्तर-(घ) साहब।

6. लेखिका की माँ का अधिकांश समय किस कार्य में बीतता था?

(क) खाना बनाने में

(ख) किताबें पढ़ने में

(ग) घूमने-फिरने में

(घ) सजने-सँवरने में

उत्तर-(ख) किताबें पढ़ने में

7. लेखिका के पिता को कौन सी परीक्षा में बैठने से रोक दिया गया।

(क) आईसीएस

(ख) आईपीएस

(ग) सिपाही भर्ती

(घ) स्कूल की परीक्षा

उत्तर-(क) आईसीएस।

© JCERT not to be republished

8. लेखिका के परिवार में सबको अपना क्या बनाए रखने की छूट थी?

(क) अहंकार (ख) अलग कमरा

(ग) निजत्व (घ) अभिव्यक्ति

उत्तर-(ग) निजत्व

9. पहरेदार ने चोर को कहाँ देख लिया था ?

(क) छत पर (ख) कमरे में

(ग) कुएँ पर (घ) बरामदे में

उत्तर-(ग) कुएँ पर।

10. 15 अगस्त, सन् 1947 के दिन आजादी का जश्न देखने के लिए लेखिका किस बीमारी के कारण नहीं जा सकी?

(क) टाइफाइड (ख) कोरोना

(ग) निमोनिया (घ) डायरिया

उत्तर-(क) टाइफाइड।

11. 15 अगस्त, 1947 के दिन लेखिका की उम्र कितने वर्ष थी?

(क) बारह वर्ष (ख) ग्यारह वर्ष

(ग) दस वर्ष (घ) नौ वर्ष

उत्तर-(घ) नौ वर्ष।

12. लेखिका के पिता ने उसे कौन-सा उपन्यास पढ़ने के लिए दिया?

(क) ब्रदर्स कासमोव

(ख) ब्रदर्स कारामोव

(ग) ब्रदर्स कारामजोव (घ) ब्रदर्स कामगार

उत्तर-(ग) ब्रदर्स कारामजोव।

13. रेणु ने किस जनरल को पत्र लिखकर उनका चित्र मंगवाया था?

(क) मानेकशाह

(ख) थिमैया

(ग) शमशेर सिंह

(घ) मुधैया

उत्तर-(ख) थिमैया।

14. लेखिका ने कर्नाटक में बच्चों के लिए स्कूल कहाँ चलाया था?

(क) सियालकोट में

(ख) बागलकोट में

(ग) धूलकोट में

(घ) राजकोट में

उत्तर-(ख) बागलकोट में।

15. लेखिका की माँ किन के आदर्शों का पालन करती थी?

(क) जवाहरलाल नेहरू

(ख) महात्मा गाँधी

(ग) सुभाष चंद्र बोस

(घ) विनोबा भावे ।

उत्तर-(ख) महात्मा गाँधी

© JCERT not to be republished